an>

Title: Need to ensure payment of compensation to farmers in Uttarakhand who suffered crop damage due to excess rain and also to address the agricultural related problems being faced by the farmers in the State.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): महोदय, उत्तराखण्ड राज्य में किसान परेशान हैं, गन्ना किसानों को दो-दो वर्ष से गन्ने का भुगतान न मिलने से वे भुखमरी के कगार पर हैं। अपने ही पैसे के लिए उन्हें राज्य सरकार के सामने गिड़गिड़ाना पड़ रहा है। परिवार में बेटी की शादी-ब्याह इत्यादि के लिए ऊँची दरों पर उसे कर्ज़ लेना पड़ रहा है। इधर हरिद्वार के दर्जनों गाँवों सहित उत्तराखण्ड के अनेक किसानों के खेत-खलिहान अतिवृष्टि और गंगा के तटबंध टूटने के कारण बर्बाद हो गए हैं, फसलें नष्ट हो गई हैं। अभी तक दो-तीन वर्षों में वहाँ पर इन तटबंधों को न बनाया गया है और न बुरी तरह प्रभावित इन किसानों को जो बेघर हो गए हैं, उन्हें सहायता ही दी गई है। फसल का मुआवज़ा न दिया जाना राज्य सरकार की नितांत संवेदनहीनता और भारी लापरवाही को दर्शाते हैं।

इधर राज्य में किसानों को समय पर यूरिया और खादों का न मिलना, उन्नत किस्म के बीजों का न मिलना तथा धान व गेहूँ की फसल के समर्थित मूल्य के क्रय केन्द्रों की स्थापना न होना व कम ब्याज वाले ऋण किसान को न मिल पाने से स्थिति की गंभीरता और भी बढ़ गई है। किसान चौराहे पर खड़ा है। अतः तत्काल प्रभाव से गंगा के कटाव से खेत और गांवों को बचाने, किसान का लंबित भुगतान तुरंत कराने एवं केन्द्र सरकार द्वारा मिलने वाली हर सुविधा को सुनिश्चित कराने की मैं सरकार से मांग करता हूँ।